खुद के चुनाव लड़ने के लिए नया दल बना लेते हैं टिकट से वंचित नेता, पिछले चुनाव की तुलना में डेढ़ दर्जन से अधिक पार्टियां मैदान में, पंजीकृत मगर गैर-मान्यताप्राप्त दलों में 100 फीसद इजाफा

बारिश के कारण नेपाल की नदियां उफान पर, रक्सौल के नीचले इलाके में घुसा पानी

जिलाधिकारी के सरकारी खाता से फर्जीवाड़ा कर एक लाख की फर्जी निकासी की कोशिश, प्राथमिकी दर्ज, छापेमारी शुरू

विकास दुबे के एनकाउंटर पर पूर्व सांसद व जाप के संरक्षक पप्पू यादव ने कहा कि योगी सरकार ने सफेदपोश को बचाने के लिए यह हत्या करवाई है

युवराज न्यूज़ टुडे

NEWS TODAY Update

RNI:- BIHHIN05409

www.newstodayupdate.in

आपकी आवाज़

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

वर्ष : 06 अंक : 13+13 तिथि : 13 जुलाई 2020 मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

रजि० कार्यालय : अस्थाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

न्यूज़ टुडे लॉक डाऊन स्पेशल रोजाना अंक

खुद के चुनाव लड़ने के लिए नया दल बना लेते हैं टिकट से वंचित नेता, पिछले चुनाव की तुलना में डेढ़ दर्जन से अधिक पार्टियां मैदान में, पंजीकृत मगर गैर-मान्यताप्राप्त दलों में 100 फीसद इजाफा

न्यूज़ टुडे एक्सक्लूसिव :

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

बिहार विधानसभा के पिछले चुनाव में 1150 उम्मीदवार बिना टिकट के मैदान में कूद पड़े थे। यही देखते हुए कई नई राजनीतिक पार्टियां मैदान में आ रही हैं। उम्मीद है कि पिछले चुनाव की तुलना में डेढ़ दर्जन से अधिक पार्टियां मैदान में होंगी। इनके जरिए पांच हजार लोगों को उम्मीदवारी मिल सकती है। हर हाथ को काम देने का वादा भले ही पूरा नहीं हुआ, लेकिन हर उम्मीदवार को टिकट देने के वादे में हर राजनीतिक पार्टियां जुट गई हैं।

गौरतलब है कि राज्य में चार स्तर की पार्टियां चुनाव लड़ती हैं– राष्ट्रीय दल (बीजेपी, कांग्रेस, बीएसपी, सीपीआइ, सपीएम, और राष्ट्रवादी कांग्रेस), राज्य स्तरीय दल (जेडीयू, आरजेडी, एलजेपी और आरएलएसी), ऐसी पार्टियां जो दूसरे राज्यों की हैं (इनकी संख्या नौ हैं) तथा पंजीकृत दल (2015 के विधानसभा चुनाव में इनकी संख्या 140 थीं)। यहां हम इन्ही छोटे पंजीकृत दलों की कर रहे हैं।

243 लोगों को उपकृत करेगा यशवंत सिन्हा का मोर्चा

राज्य में विधानसभा की 243 सीटें हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा इन दिनों राज्य का दौरा कर रहे हैं। वह मोर्चा बनाने के पक्ष में हैं। उनका अभियान भी 243 लोगों को उपकृत करेगा। खास बात यह है कि सिन्हा राज्य में वैकल्पिक सरकार का दावा कर रहे हैं। उनके साथ कई चुनावी चेहरे भी हैं। यशवंत सिन्हा पटना से 1991 में चुनाव लड़े थे। उस चुनाव की अमीरी की चर्चा अभी तक हो रही है।

अपने चुनाव लड़ने के लिए भी नया दल बना लेते नेता

राज्य में राजनीतिक दल बनाने के लिए अधिक तामझाम नहीं करना पड़ता है। कई नेता तो महज अपने चुनाव लड़ने के लिए नया दल बना लेते हैं। पूर्व मंत्री पूर्णमासी राम ने एक अवकाश प्राप्त आइएएस अधिकारी के साथ मिलकर पिछले सप्ताह नया दल बना लिया। नाम रखा–जनसंघर्ष दल। राम जनता दल, राजद, जदयू कांग्रेस आदि दलों के जरिए विधानसभा और लोकसभा की शोभा बढ़ाने के बाद पिछले लोकसभा चुनाव में किसी दल का टिकट नहीं हासिल कर पाए। सो, विधानसभा चुनाव के लिए अपना दल ही बना लिया।

साधु यादव के गरीब जनता दल से भी होंगे उम्मीदवार

सांसद और विधायक रहे अनिरुद्ध प्रसाद ऊर्फ साधु यादव ने गरीब जनता दल बना लिया था। पिछले चुनाव में उस दल को किसी सीट पर कामयाबी नहीं मिली। उम्मीद है कि 2020 के चुनाव में उनकी पार्टी से भी कुछ लोग उम्मीदवार बनेंगे। हरियाणा विकास पार्टी की तर्ज पर बनी चंपारण विकास पार्टी के संस्थापक खुद भाजपा के टिकट पर उम्मीदवार बने और जीते थे। यह कई पार्टियों के संस्थापकों का हुआ है।

पंजीकृत मगर गैर-मान्यताप्राप्त दलों में 100 फीसद इजाफा

2010 के विधानसभा चुनाव से तुलना करें तो 2015 में पंजीकृत मगर गैर–मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों की संख्या में सौ फीसदी का इजाफा हुआ। 2010 में इनकी संख्या 71 थी। 2015 में 140 हुई। 2020 के चुनाव की घोषणा होने तक इनकी संख्या 170 से अधिक हो सकती हैं।

2015 के चुनाव में थे ऐसे दलों के 150 उम्मीदवार, जीते चार

गैर–मान्यता प्राप्त पार्टियों की अधिकता के बावजूद सभी उम्मीदवारों को टिकट नहीं मिल पाता है। 2015 में इन 140 दलों के 1145 उम्मीदवार मैदान में उतरे थे। उसके बाद भी 1150 लोग निर्दलीय चुनाव लड़े। चार निर्दलीय जीते। इनका वोट शेयर 9. 39 फीसदी रहा।

बड़े दलों के उम्मीदवारों को पहुंचाते बड़ा नुकसान

इस श्रेणी के दलों को भले ही किसी सीट पर कामयाबी नहीं मिलती हो, फिर भी वोटों में इनकी भागीदारी राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दलों के बड़े उम्मीदवारों की संभावना जरूर कमजोर कर देती है। 2015 में इन दलों का वोट शेयर 7.82 फीसद रहा। यह कांग्रेस (6.66), बीएसपी (2.07), सीपीआइ (1.36), सीपीएम (0. 61) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (0.49) जैसे राष्ट्रीय दलों से अधिक है। राज्य स्तरीय दलों से तुलना करें तो ये इन पर भी भारी पड़ते हैं। 2015 के विधानसभा चुनाव में आरएलएसपी को 2.56 और एलजेपी को 4.83 फीसद वोट मिले थे। 2010 के चुनाव में इन पंजीकृत गैर–मान्यता प्राप्त दलों का वोट शेयर महज 3. 87 फीसद था।

विकास दुबे के एनकाउंटर पर पूर्व सांसद व जाप के संरक्षक पप्पू यादव ने कहा कि योगी सरकार ने सफेदपोश को बचाने के लिए यह हत्या करवाई है

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

आरोप

जब राजनीति का अपराधीकरण हो रहा था, तब राजनीति में प्रवेश कर बाहुबली नेता के रूप में अपने–आप को स्थापित करने वाले पप्पू यादव कुख्यात अपराधी विकास दुबे के एनकाउंटर पर सवाल उठा रहे हैं। जाप द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में पप्पू यादव ने योगी सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि यूपी में सारे ब्राह्मणों की हत्याएं की जा रही है। इससे साफ प्रतीत होता है कि योगी सरकार ब्राह्मणों के पीछे पड़ी है।

गौरतलब है कि कानपुर शूटआउट में डीएसपी समेत 8 पुलिसकर्मियों की हत्या का आरोपी गैंगस्टर विकास दुबे बीते दिन एनकाउंटर में मारा गया। उत्तरप्रदेश पुलिस की मानें तो गाय–भैंस के सामने आ जाने के कारण विकास दुबे जिस गाड़ी में बैठा था वह गाड़ी पलट गई। इसके बाद विकास दुबे पुलिसकर्मियों का पिस्तौल छीनकर भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में एनकाउंटर हुई और विकास दुबे गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई है। हालांकि डॉक्टर ने कहा कि जिस समय विकास दुबे को अस्पताल लाया गया था उस समय उसकी मौत हो चुकी थी।

विकास दुबे के एनकाउंटर पर पूर्व सांसद व जाप के सरंक्षक पप्पू यादव ने कहा कि योगी सरकार ने सफेदपोश को बचाने के लिए यह हत्या करवाई है। साथ ही जाप नेता ने कहा कि विकास दुबे की पत्नी को सरेंडर करते वक्त पुलिस द्वारा अमानवीय तरीका अपनाया गया। विकास दुबे के बेटे को शीशे पर घुटने के बल किया गया।

श्री यादव ने कहा कि सजा देने का काम न्यायपालिका का है। एनकाउंटर करके न्यायपालिका को खत्म किया गया। जो कि लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। विकास दुबे के टेलीफोन की जांच होनी चाहिए।

पप्पू यादव ने कहा कि सड़क पर एक्सीडेंट का कोई निशान नहीं है। और सीने में 4 गोली कैसे लगी। जब एक्सीडेंट का कोई निशान नहीं है यो अपराधी कैसे भागेगा। भागने के दरमियान सीने में गोली कोसे लग सकती है। इसकी जांच होनी चाहिए।

जाप नेता ने कहा कि इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट से मांग करूंगा कि जांच हो और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ की निगरानी में सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस काटजू, जस्टिस चेलमेश्वर और जस्टिस लोकुड़ के द्वारा जांच होनी चाहिए। तथा मुख्यमंत्री योगी को बर्खास्त करें।

अपराध को राजनीति से जोड़ते हुए पप्पू यादव ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि पूरा ब्राह्मण समाज भाजपा को वोट दिया। लेकिन, आज इसे ही टारगेट किया जा रहा है। उत्तरप्रदेश में 600 से अधिक फर्जी मुठभेड़ हुई, जिसमें खास जाति को निशाना बनाया गया।

जिलाधिकारी के सरकारी खाता से फर्जीवाड़ा कर एक लाख की फर्जी निकासी की कोशिश, प्राथमिकी दर्ज, छापेमारी शुरू

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

फर्जीवाड़ा

साइबर बदमाशों का दुस्साहस अब सरकारी महकमों के बैंक खातों पर देखा जा रहा है। साइबर बदमाशों ने जिलाधिकारी के सरकारी खाता से फर्जीवाड़ा कर एक लाख की फर्जी निकासी की कोशिश की। बदमाशों ने जिलाधिकारी का फर्जी चेक पटना स्थित बैंक आफ इंडिया की कंकड़बाग शाखा में जमा करा दिया। बैंक अधिकारी ने भुगतान से पहले पुष्टि के लिए जब डीएम के खाता में अंकित सेलफोन नम्बर पर फोन किया तब फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ हुआ।

बैंक अधिकारी के फोन के बाद यह खुलासा हुआ कि जिस नम्बर का चेक वहां जमा करने के लिए दिया गया है, वह चेक यहां के नाजिर के पास सुरक्षित है। मामला पकड़ में आने के बाद डीएम शीर्षत कपिल अशोक के आदेश पर पटना के गांधी मैदान थाने में इसकी प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

वहीं दूसरी प्राथमिकी मोतिहारी कचहरी ब्रांच के मुख्य प्रबंधक राकेश कुमार ने नगर थाना में दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि सूरज साह नामक व्यक्ति ने डीएम के सरकारी खाते के चेक नम्बर–562797 का फर्जी कर भुगतान के लिए बैंक आफ इंडिया कंकडबाग शाखा में जमा किया था। पुलिस सूरज साह के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वहीं दूसरी प्राथमिकी के आलोक में पुलिस ने सूरज की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। सदर डीएसपी अरूण कुमार गुप्ता ने बताया कि यह काफी गंभीर मामला है। जल्द हीं शातिर सूरज को गिरफ्तारी कर लिया जाएगा।

बारिश के कारण नेपाल की नदियां उफान पर, रक्सौल के नीचले इलाके में घुसा पानी

संतोष राऊत

बाढ़ की समस्या

रक्सौल में पिछले दो रोज से लगातार बारिश से नेपाल के पहाड़ी नदियों में उफान आ गया है। भारत नेपाल से आनेवाली वाली सरिसवा नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। जिससे आसपास के रेहायशी इलाका में पानी फैलने लगा है। नदी के किनारे बसे सुन्दरपुर, अहिरवाटोला, प्रेमनगर आदि मुहल्ला मे पानी घुसने की संभावना बढ़ गयी। जिसको लेकर उक्त मुहल्ला के ग्रामीण आतंकित है।

नेपाल के कोशी,नारायणी,बुढ़ी गंडक,लाल बंकैया पसाह नदी सहित सभी पहाड़ी नदियों के जलस्तर मे ऊफान आने और जलस्तर का दबाव बढ़ने से रक्सौल और आसपास के क्षेत्र के लोगों में दहशत है। मा. सम विभाग द्वारा लगातार बारिश होने और बाढ आने का एलर्ट जारी करने के बाद सीमाई क्षेत्र के लोगों विगत वर्ष के तरह इस वर्ष भी प्रलंयकारी बाढ़ आने की संभावना को लेकर भयभीत है। जबकि स्थानीय प्रशासन द्वारा इसके बंचाव में अबतक कोई कदम नही उठाया गया है।

Yuvaraj Media & Entertainment

बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:

Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

नरकटिया गांव के सामने तटबंध टूटने से नरकटिया, रामपुर और भतनहिया पंचायत के कई गांव के सरेह में पहुंचा बाढ़ का पानी

रिंकू गिरी,
संवाददाता

पसाह नदी के साथ–साथ अब दुधौरा नदी भी बौरा गई है। दुधौरा नदी में बंगरी नदी का पानी समा जाने से नदी किनारे बना पुराना तटबंध शनिवार की रात टूट गया है। नरकटिया गांव के सामने तटबंध टूटने से नरकटिया, रामपुर और भतनहिया पंचायत के कई गांव के सरेह में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। इससे हजारों एकड़ में लगी धान की फसल डूब गई है।

मुखिया पुत्र मुकेश कुमार गुप्ता ने बताया कि अब किसानों के पास धान का बिचड़ा भी नही है जिससे, दुबारा रोपनी की जा सके। इधर पसाह नदी पुरैनिया पंचायत के भवानीपुर, महुआवा, पुरैनिया गांव में उत्पात मचाने के बाद रविवार को लोहडिया, तीनकोनी आदि गांवों में भी अपना प्रकोप दिखाना शुरू कर दिया है।

यदि पानी का रफ्तार इसी तरह बढ़ता रहा तो छौड़ादानों–रक्सौल मार्ग का संपर्क भी भंग हो सकता है। उत्क्रमित मध्य विद्यालय पुरैनिया के समीप सड़क पर तीन से चार फीट पानी बह रहा है। वही पुरैनिया पंचायत स्थित गंभीरा चौक के समीप सड़क टूट जाने से आसपास के आधे दर्जन गांव का संपर्क पथ भंग हो गया है। इस बाबत पूछे जाने पर सीओ पंकज कुमार ने बताया कि पुरैनिया स्कूल में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए खाने–पीने की व्यवस्था की गई है।

डुमरियाघाट पुल के मुहाने पर एक ट्रक खराब होने के कारण पुल पर गाड़ियों का जाम लगना शुरू

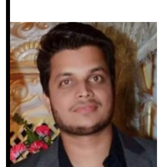

सम्राट, संवाददाता

मोतिहारी में पिछले कई दिनों से हो रही बरसात के कारण डुमरियाघाट पुल और उसके मुहाने के समीप की सड़क जर्जर हो चुकी है। इस कड़ी में रविवार को पुल के मुहाने पर एक ट्रक खराब हो गया। जिसके कारण पुल पर गाड़ियों का जाम लगना शुरू हो गया।

इस फोरलेन सड़क पर एक साइड में ट्रक खराब होने के कारण एक ही लेन से दोनों तरफ के वाहन आ जा रहे हैं। इसके कारण पुल पर हर समय जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है।

वहीं, पुल का सड़क भी काफी जर्जर है। दूसरा कारण यह भी है पुल के दोनों तरफ फोरलेन सड़क है। पुल सिगल लेन का है। इसके कारण भी दो वाहनों को एक साथ गुजरने या साइड लेने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। यहां तक की हादसे भी होते रहते हैं।

फिलवक्त ट्रक की खराबी के वजह से जाम लग रहा है। स्थानीय पुलिस पुल पर पहुंच जाम छुड़ाने में लगी है। ज्यादा देर तक जाम लगने के कारण काफी परेशानी हो रही है। पुल के मुहाने पर सड़क की स्थिति बहुत जर्जर है। कभी भी यहां गाड़ी पलटने से कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

बागमती नदी और लालबकेया नदी के मुहाने पर बनाए गए बांध पानी के दबाव के कारण ध्वस्त, इलाके में बाढ़ का खतरा बढ़ा

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

मोतिहारी–शिवहर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क देवापुर बेलवा घाट पर वर्ष 2014 से निर्माणाधीन डैम के लिए बागमती नदी और लालबकेया नदी के मुहाने पर बनाए गए बांध पानी के दबाव के कारण ध्वस्त हो गया। इससे इलाके में बाढ़ का खतरा और अधिक बढ़ गया है।

यहां बता दें कि 1993 में आई प्रलयंकारी बाढ़ ने देवापुर से लेकर बेलवा गांव के नजदीक तकरीबन तीन किलोमीटर तक बांध ध्वस्त कर दिया था। इस पर सरकार वर्ष 2014 में डैम बनाकर पानी के बहाव को रोकने के लिए फाटक बना रही थी, जिसका बांध ध्वस्त हो गया।

हालांकि, ग्रामीण सह समाजसेवी अजय शर्मा, प्रफुल्ल सिंह उर्फ दीपू सिंह ने बताया कि बागमती नदी की मुख्यधारा अगर उपधाराओं से मिल गई तो नदी के किनारे बसे शिवहर और जिले के कुछ गांव को तबाह कर सकती है। पानी बँट जाने से पताही प्रखंड क्षेत्र के लोगों का खतरा कम होगा।

वहीं दूसरी ओर से नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश से उफनाई बागमती और लालबकेया नदी का जलस्तर रविवार को स्थिर रहा। प्रखंड क्षेत्र के जिहुली, शिवहर को जोड़ने वाली मुख्य सड़क जमनीटोला, गुजरौल, तिनहिया ,नारायणपुर ,गोनाही, गांव के कुछ हिस्सों का सड़क संपर्क प्रखंड मुख्यालय से भंग हो गया है।

स्थानीय मुखिया अजेय सिंह, देवापुर के मुखिया वेदानंद झा, मुखिया राजू सिंह, ने कहा कि बागमती और लालबकेया नदी के जलस्तर पर भरोसा नहीं किया जा सकता हैं, हल्की बारिश होते ही यह अपना रौद्र रूप धारण कर सकती है।

लगातार दिए जा रहे अल्टीमेटम के बाद भी राष्ट्रीय जनता दल के रुख में कोई परिवर्तन नहीं होता देख अब जदयू के पक्ष में कसीदे काढ़ने शुरू कर दिए हैं जीतनराम मांझी

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, हम के अध्यक्ष जीतनराम मांझी के लगातार दिए जा रहे अल्टीमेटम के बाद भी राष्ट्रीय जनता दल के रुख में कोई परिवर्तन नहीं होता दिख रहा है। जिसके बाद अब जीतनराम मांझी का गठबंधन से अलग होना लगभग तय हो चुका है। वहीं, सूत्रों मिली जानकारी के मुताबिक जीतनराम मांझी की जनता दल युनाइटेड और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ डील लगभग पक्की हो गई है और जल्द ही मांझी एक बड़ा ऐलान करने वाले हैं। मांझी के एनडीए में शामिल होने के चर्चे तेज हैं और कहा जा रहा है कि सिर्फ नीतीश कुमार के साथ उनकी एक मीटिंग होनी बाकी है, जिसके बाद वो इसका औपचारिक रूप से ऐलान कर सकते हैं।

बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में महागठबंधन को मिली करारी हार के बाद से ही मांझी राजद पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव से पहले ही जीतनराम मांझी ने कोर्डिनेशन कमेटी की मांग की थी ताकि सभी फैसले साथ में लिए जा सकें और एक मंच पर महागठबंधन के सभी घटक दल हों, पर इस कमेटी का अबतक कुछ नहीं हुआ।

इसके बाद भी बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मांझी चाहते थे कि कोऑर्डिनेशन कमेटी बने ताकि सीटों का बंटवारा और महागठबंधन में नेतृत्व कौन करेगा, इसका फैसला हो, पर राजद ने मांझी की इस मांग को तवज्जो नहीं दिया है और मांझी के खिलाफत के बावजूद राजद ने चुप्पी साध रखी है। इतना ही नहीं, महागठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी बताकर राजद ने खुलकर यह घोषणा कर दी कि चुनाव में मुख्यमंत्री का चेहरा तेजस्वी यादव होंगे और साथ ही सीटों का बं. टवारा हो या कोई भी फैसला, वो राजद के अनुसार ही लिया जाएगा।

जीतनराम मांझी के लगातार उठाए जा रहे मांगों के बावजूद तेजस्वी यादव ने एक बार भी जीतनराम मांझी से मिलने का बात नहीं कही है, जो मांझी की नाराजगी की बड़ी वजह मानी जा रही है। राजद ने साफ कहा है कि मांझी से बात राजद के वरिष्ठ नेता करेंगे, ये मांझी के मोह भंग होने का दूसरा बड़ा कारण है। मांझी ने इसे अपनी तौहीन मान लिया है।

कोऑर्डिनेशन कमिटी पर राजद के रवैये से नाराज जीतनराम मांझी ने 10 जुलाई को पार्टी कोर कमिटी की बैठक बुलाई थी। कहा जा रहा है कि कोऑर्डिनेशन कमिटी पर राजद के असहयोगात्मक रवैये और अपनी उपेक्षा से नाराज जीतनराम मांझी ने महागठंधन ने निकलने का अब पूरा मन बना लिया है और अब जदयू के पक्ष में कसीदे काढ़ने शुरू कर दिए हैं।

ब्रावो फाउंडेशन ने जिले के सभी पी एच सी, रेफरल अस्पताल में कोरोना वाररियर्स के बीच बटवाये 'आयुष काढ़ा'

सम्राट, संवाददाता

ब्रावो फाउंडेशन व विश्व आयुर्वेद परिषद के संयुक्त तत्वावधान में वैश्विक महामारी कोरोना के रोकथाम में मदद करने के उद्देश्य से आठ जुलाई से ग्यारह जुलाई तक आयुष मंत्रालय एवम आई सी एम आर भारत सरकार के द्वारा निर्देशित 'आयुष काढ़ा' को जिले के सभी पी एच सी, रेफरल अस्पताल में कार्यरत एवम कोरोना कंट्रोल यूनिट में कार्यरत सभी फ्रंट लाइन कोरोना वाररियर्स के बीच उपलब्ध कराया गया जिससे कोरोना काल में अपनी सेवाएं दे रहे स्वास्थ्यकर्मियों का रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगा।

ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक सह ब्रावो फार्मा के चेयरमैन राकेश पांडेय ने वीडियो कॉल कर बताया कि चूंकि स्वास्थ्यकर्मी ही संदिग्ध ाों एवम मरीजों के सबसे करीब होते हैं इसलिए इनका रोग प्रतिरोध ाक क्षमता काफी मजबूत करने के उद्देश्य से आयुष काढ़ा उपलब्ध कराया गया है जबकि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने भी सभी को आयुष काढ़ा लगातार लेने की अपील कर चुके हैं।

आयुष काढ़ा वितरण टीम का नेतृत्व कर रहे डॉ. अंकेश मिश्रा ने बताया कि ब्रावो फाउंडेशन के मुख्य संरक्षक राकेश पांडेय के सकारात्मक सहयोग से ही यह कार्य सफल हो सका जिसमे डॉ विनोद शर्मा, डॉ ईश्वर चंद्र, डॉ विकाश कुमार, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. सच्चिदानंद पटेल, डॉ. दिवाकर पाण्डेय, डॉ. आलोक, डॉ. रमेश चंद्र सिन्हा, डॉ. रवि प्रकाश कश्यप, डॉ. दिनकर कुमार एवम डॉ. अजय कुमार के साथ तीन टीम बनाकर लगातार चार दिन में पूरे जिले के स्वास्थ्यकर्मियों के बीच आयुष काढ़ा का वितरण किया जा सका। टीम के साथ ब्रावो फाउंडेशन के शैलेन्द्र मिश्र बाबा के नेतृत्व में नीरज कुमार, राजेश रंजन, विवेक सिंह, चुलबुल पाण्डेय, आयुष रंजन, विनय कुमार, अभिषेक कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

आजादी के सत्तर साल के बाद भी चकिया प्रखंड के महादलित बस्तियों में कोई परिवर्तन नहीं : जगजीवन बैठा

सम्राट, संवाददाता

आजादी के सत्तर साल के बाद भी चकिया प्रखंड के महादलित बस्तियों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, आज भी लोगों को न तो रहने को घर है और ना ही ढंग का भोजन। उपरोक्त बातें पूर्वी चंपारण जिले के राजद जिला उपाध्यक्ष जगजीवन बैठा ने पीपरा विधानसभा के चकिया प्रखंड के चकबारा पंचायत के भरथुइआं ग्राम के मुशहर बस्तियों (महादलित) का हालात देखने के पश्चात पत्रकारों से कही।

उन्होंने कहा कि गरीबी के कारण बच्चे नंगे थे। रहने के लिए समुचित व्यवस्था नहीं है। अपना जमीन नहीं है नाहि बसे हुए जमीन का बास्कित पर्चा मिला है। मौके पर उपस्थित मुशहर जाति के अनेक लोगों ने बताया कि हम लोगों को राशन कार्ड के अभाव के कारण छह माह से राशन नहीं मिल रहा है। आज तक बहुत लोगों का आधार कार्ड नहीं बना है। स्थानीय विधायक जो कि सत्ता पक्ष के है वो भी हम लोगों के समस्या पर ध्यान नहीं दिया है।

वहां के लोगों ने बताया कि नेता केवल वोट के समय हीं इस बस्ति में आते हैं। शिक्षा नाम का कोई चीज नहीं है। दो सौ के करीब घर है उस घरों में एक भी मैट्रीकुलेशन नहीं है पूरे बस्ति में एक खुबलाल मांझी नाम का आदमी आठवां वर्ग तक पढ़ा है। वहां की महिलाओं का कहना था कि दूसरे के जमीन में घर है जिसके कारण हम लोगों का घर नहीं बन पा रहा है। सुशासन की सरकार बोल रही है कि सबसे अधिक ध्यान कमजोर लोगों के उत्थान में लगा रही है। महादलित के उत्थान के मामले में सरकार दावा करना सरासर गलत है।

युवराज मीडिया एंड एंटरटेण्मेंट की घोषित चम्पारण की पावन धरती पर बन रही भव्य वेब सीरिज एवं फीचर फिल्म की शुटिंग शीघ्र शुरू होगी ।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजिटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830